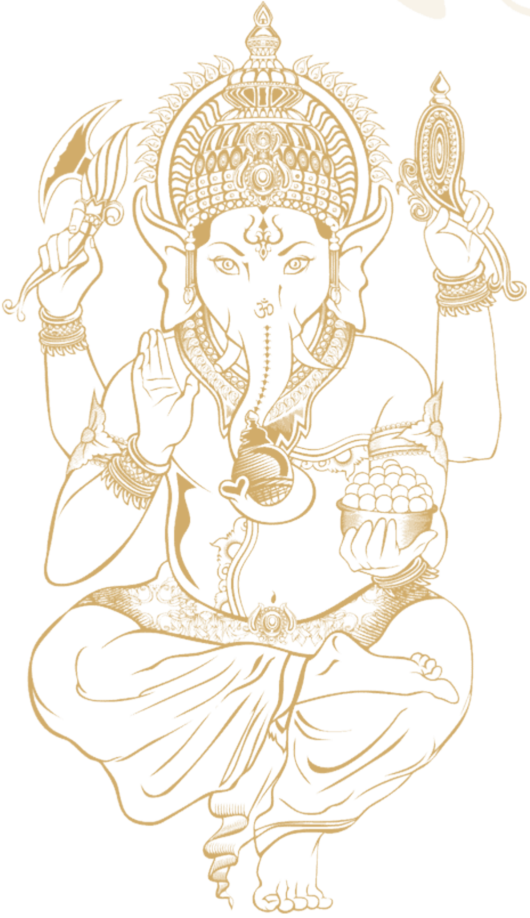

03 Apr 2005

06:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120960504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/04/2005**
दिन	रविवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	00:51:45 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:17 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:44 घंटे
सूर्योदय	06:09:17 घंटे
सूर्यास्त	18:40:03 घंटे
दिनमान	12:30:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:26:48 मीन
लग्न के अंश	25:24:20 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:24:20	499:10:55	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मीन	19:26:48	00:59:09	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	02:47:05	14:17:03	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			मक	15:41:18	00:43:31	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध	व	अ	मीन	11:32:56	00:45:06	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	20:07:12	00:07:43	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मीन	20:11:06	01:14:28	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मिथु	26:35:47	00:01:19	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मीन	28:52:46	00:00:22	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	28:52:46	00:00:22	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	14:50:37	00:02:59	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
नेप			मक	23:05:06	00:01:27	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		धनु	00:34:25	00:00:13	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			धनु	18:39:39	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:43

लग्न-चलित

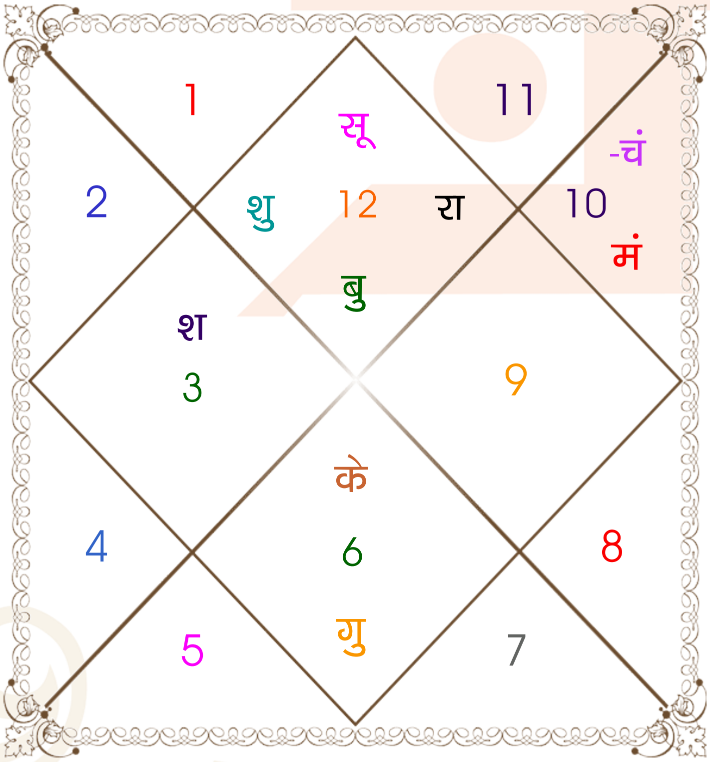

चन्द्र कुंडली

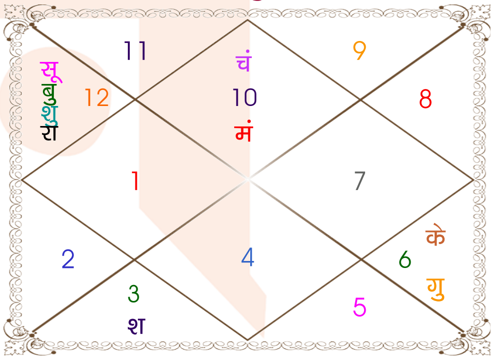

नवमांश कुंडली

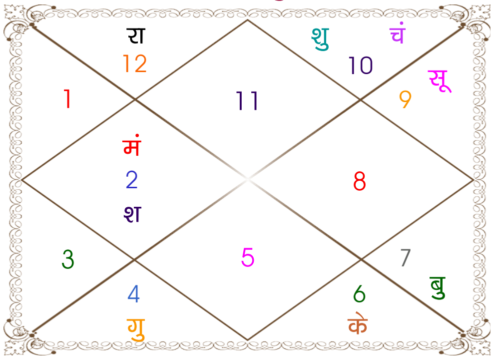

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 2 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/04/2005		02/07/2008		02/07/2018		02/07/2025		02/07/2043	
02/07/2008		02/07/2018		02/07/2025		02/07/2043		02/07/2059	
	00/00/0000	चंद्र	02/05/2009	मंगल	28/11/2018	राहु	14/03/2028	गुरु	20/08/2045
	00/00/0000	मंगल	01/12/2009	राहु	17/12/2019	गुरु	08/08/2030	शनि	02/03/2048
	00/00/0000	राहु	02/06/2011	गुरु	22/11/2020	शनि	14/06/2033	बुध	08/06/2050
	03/04/2005	गुरु	01/10/2012	शनि	01/01/2022	बुध	01/01/2036	केतु	15/05/2051
गुरु	08/05/2005	शनि	02/05/2014	बुध	29/12/2022	केतु	19/01/2037	शुक्र	13/01/2054
शनि	20/04/2006	बुध	02/10/2015	केतु	27/05/2023	शुक्र	19/01/2040	सूर्य	01/11/2054
बुध	25/02/2007	केतु	02/05/2016	शुक्र	26/07/2024	सूर्य	13/12/2040	चंद्र	02/03/2056
केतु	02/07/2007	शुक्र	01/01/2018	सूर्य	01/12/2024	चंद्र	14/06/2042	मंगल	06/02/2057
शुक्र	02/07/2008	सूर्य	02/07/2018	चंद्र	02/07/2025	मंगल	02/07/2043	राहु	02/07/2059

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/07/2059		02/07/2078		02/07/2095		03/07/2102		03/07/2122	
02/07/2078		02/07/2095		03/07/2102		03/07/2122		00/00/0000	
शनि	05/07/2062	बुध	28/11/2080	केतु	29/11/2095	शुक्र	02/11/2105	सूर्य	21/10/2122
बुध	14/03/2065	केतु	25/11/2081	शुक्र	28/01/2097	सूर्य	02/11/2106	चंद्र	21/04/2123
केतु	23/04/2066	शुक्र	25/09/2084	सूर्य	05/06/2097	चंद्र	03/07/2108	मंगल	27/08/2123
शुक्र	23/06/2069	सूर्य	01/08/2085	चंद्र	04/01/2098	मंगल	02/09/2109	राहु	21/07/2124
सूर्य	05/06/2070	चंद्र	01/01/2087	मंगल	02/06/2098	राहु	02/09/2112	गुरु	04/04/2125
चंद्र	04/01/2072	मंगल	29/12/2087	राहु	20/06/2099	गुरु	04/05/2115		00/00/0000
मंगल	12/02/2073	राहु	17/07/2090	गुरु	27/05/2100	शनि	03/07/2118		00/00/0000
राहु	20/12/2075	गुरु	22/10/2092	शनि	06/07/2101	बुध	03/05/2121		00/00/0000
गुरु	02/07/2078	शनि	02/07/2095	बुध	03/07/2102	केतु	03/07/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।